

टर्मेरिक

सरकुमा लोंगा 15 मिली

dōTERRA® | INDIA

प्रोडक्ट संबंधी जानकारी का पेज



प्रोडक्ट का विवरण

भारत में आयुर्वेदिक उपचारों में इस्तेमाल होने वाली यह एक मुख्य वनस्पति है। हल्दी की जड़ और टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसने आज के दौर में हल्दी के आधुनिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया है। हल्दी की जड़ या गांठ से स्टीम डिस्टिलेशन के द्वारा प्राप्त किए गए टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल में दो अनोखे केमिकल तत्व होते हैं, टर्मेरिक और अर-टर्मेरान। टर्मेरिक यानी हल्दी का मुख्य तत्व है सरकुमिन। इसकी अनोखी और जानदार खुशबू के लिए इसे आजमाइए। टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल आपके मनपसंद नमकीन आहारों को एक शानदार जायका दिलाता है।

इस्तेमाल

- + कोकोनट मिल्क, पानी, शहद, चाय में एक से दो बूँदें टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल मिलाकर अपनी स्पेशल टर्मेरिक टी बनाइए।
- + अंडा भुर्जा या आमलेट, सादे चावल या सूप में टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल मिलाकर उसे एक चटपटा और मसालेदार जायका दीजिए।
- + रसोई में टर्मेरिक एसेन्शियल ऑयल का इस्तेमाल करते समय, आप टूथपिक विधि अपना सकते हैं- बस एसेन्शियल ऑयल बॉटल में एक टूथपिक को डुबोइए, इसे अपनी दिश में डुबोकर हिलाइए, चखिए और जब तक मनचाहा स्वाद न मिल जाए, इसे दोहराते रहिए।
- + इसकी अनोखी खुशबू पाने के लिए, एक या दो बूँदें छिटकिए। यह वाइल्ड ओरेन्ज, येलाना येलाना, ग्रेफ्रूट, कार्डमॉम, सिनामॉन तथा जिंजर एसेन्शियल ऑयल्स के साथ अच्छी तरह मिश्रित हो जाता है।

इस्तेमाल करने के लिए निर्देश

डिफ्यूजन: अपनी पसंद के डिफ्यूजर में तीन से चार बूँदें मिलाकर इस्तेमाल करें।
आहार में इस्तेमाल के लिए: १२० मिली द्रव में १ बूँद मिलाएं।

सावधानियां

केवल पतला करके इस्तेमाल करें। एक दिन में एक बूँद से अधिक मात्रा का इस्तेमाल न करें। बच्चों की पहुँच से दूर रखें। गर्भवती स्त्री या जिनका कोई इलाज चल रहा हो, डॉक्टर से परामर्श करके ही इस्तेमाल करें। संवेदनशील हिस्सों से संपर्क होने से बचाएं।